

xgww o tks vuqkkx
i ksk iztuu , oa vuqkf kdh foHkkx
pkSkjh pj.k fl g gfj ; k.kk dF"k fo ofo+ky;] fgl kj

xgww mRi kndk ds fy, vDrqj&uoEcj ekg dh l ykg

fdLeka ds puiko

हमें उन्नत नई तथा क्षेत्र विशेष के लिए सिफारिश की गई किस्मों का चयन करना चाहिए। बीज साफ, स्वस्थ, खरपतवारों के बीजों से रहित होना चाहिए। सिकुड़े छोटे एवं कटे-फटे बीजों को निकाल देना चाहिए।

1- vks r l s vf/kd i shkoks okysftys (djuky] dq {ks=} dFky] Qrgkckn]
fl j l k½— डब्ल्यू.एच.1105, एच.डी. 3086, एच.डी. 2967, डी.बी.डब्ल्यू. 88

2- vks r i shkoks okysftys

(i) ; euquxj] ikuhir] thUn] l kuhir:— डब्ल्यू एच.1105, एच.डी. 3086,
एच.डी. 2967, डी.बी.डब्ल्यू. 88, डब्ल्यू एच. 542

(ii) fgl kj] eglnx<} jokMh

(अ) सिंचित भूमि के लिए — डब्ल्यू. एच. 1105, एच.डी. 3086, एच.डी. 2967, डी.बी.
डब्ल्यू. 88

(ब) कम सिंचाई वाली भूमि के लिए — सी. 306, डब्ल्यू एच. 1142, डब्ल्यू एच.
1080, डब्ल्यू एच. 1025

3- vks r l s de i shkoks okysftys

(i) vEckyk] i pdnyk

(अ)सिंचित भूमि के लिए — डब्ल्यू. एच. 1105, एच.डी. 3086, एच.डी. 2967, डी.बी.
डब्ल्यू. 88

(ब)कम सिंचाई वाली भूमि के लिए — डब्ल्यू एच. 1142, डब्ल्यू एच.1080, डब्ल्यू
एच. 1025

(ii) jkgrd] >Ttj] fhkokuh

(अ)सिंचित भूमि के लिए — डब्ल्यू. एच. 1105, एच.डी. 3086, एच.डी. 2967, डी.बी.
डब्ल्यू. 88

(ब)कम सिंचाई वाली भूमि के लिए — डब्ल्यू एच. 1142, डब्ल्यू एच.1080, डब्ल्यू
एच. 1025

(स)कल्लर भूमि के लिए — के.आर.एल. 210

(iii) Qjhnkckn] i yoy] eokr] x#xk0%

(अ)सिंचित भूमि के लिए – डब्ल्यू. एच. 1105, एच.डी. 3086, एच.डी. 2967, डी.बी. डब्ल्यू. 88

(ब)कम सिंचाई वाली भूमि के लिए – डब्ल्यू एच. 1142, डब्ल्यू एच.1080, डब्ल्यू एच. 1025

(स)कल्लर भूमि के लिए – के.आर.एल. 2010

ukv/ % ihyk jrϕk i Hkkfor mÜkj i whz {ks= ea fdl ku Hkkbz i h-ch- Mÿ; w 343] , p- Mh- 2851] cjcV] l qj] Mh-ch- Mÿ; w 17] Mÿ; w , p- 147] Mÿ; w , p- 711 bR; kfn uk mxk; A D; kfd ; s fdLea ihyk jrϕk ds vR; r jksxkgh gA bl l s i hys jrϕk dk Qÿko Hkh ugha gkskA

ftkbz dk l e; rFkk cht dh ek=k

mRiknu fLFkr	chtkbz dk l e;	cht nj ¼d-xk- @, dM½
सिंचित व समय पर बीजाई	नवम्बर का प्रथम पखवाड़ा	40-45
वर्षा आधारित व कम पानी	अक्टूबर का आखिरी सप्ताह से नवम्बर के पहले सप्ताह तक	50

- लवण प्रभावित मृदा में अधिक पैदावार लेने के लिए बीज की मात्रा सामान्य मृदा की अपेक्षा 25 प्रति ात अधिक डालनी चाहिए।
- छिड़काव विधि द्वारा बिजाई करने पर अच्छी पैदावार लेने के लिए बीज की मात्रा 50 किलो प्रति एकड़ प्रयोग करें।

cht mi pkj%

- दीमके से बचाव के लिए 60 मि.ली. क्लोरपाइरीफास 20 ई.सी. या 200 मि. ली. इथियोन (फोस्माईट 50 प्रति ात ई.सी.) को पानी में मिलाकर 2 लीटर घोल बनाकर 40 किलोग्राम बीज को उपचारित करें।
- खुली कांगियारी व पत्तियों की कांगियारी से बचाव के लिए बैवस्टिन या वीटावैक्स 2 ग्राम या 1 ग्राम टैब्युकोनाजोल (रेक्सिल) प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
- जैविक खाद उपचार के लिए चार पैकेट एजोटोबैक्टर व चार पैकेट फास्फोरस टीका (पी.एस.बी.) प्रति 40 किलो बीज का प्रयोग करें।

ftkbz fof/k%

गेहूँ की बिजाई बीज एवं उर्वरक ड्रिल से करें। बीज की गहराई लगभग 5 से.मी. एवं पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20 से.मी. होनी चाहिए। धान-गेहूँ फसल चक्र वाले क्षेत्रों में गेहूँ की बीजाई जीरो बीज व उर्वरक म िन से कर सकते हैं।

[kkn dh ek=k

- मिट्टी की जांच के अनुसार संतुलित खादों का प्रयोग करें।
- सिंचित दिा में क्रम ा: शुद्ध नत्रजन, फास्फोरस, पोटा ा की मात्रा 60:24:12 कि.ग्रा. प्रति एकड़ डालें। इसके लिए 50 कि.ग्रा. डी.ए.पी. तथा 110 कि.ग्रा. यूरिया (अथवा 150 कि.ग्रा. सिंगल सुपरफास्फेट तथा 130 कि.ग्रा. यूरिया), 20 कि.ग्रा. म्यूरेंट आफ पोटा ा प्रति एकड़ डालें।
- नत्रजन की आधी मात्रा व अन्य खादों की पूरी मात्रा तथा 10 किलो जिंक सल्फेट प्रति एकड़ बिजाई के समय डालें। नत्रजन का शेष भाग पहली सिंचाई के साथ दें।
- रेतीली जमीनों में नत्रजन की मात्रा को तीन भागों में बांट कर दें। एक तिहाई बीजाई पर, एक तिहाई पहली सिंचाई पर व शेष दूसरी सिंचाई पर दें।

fl pkbZ

- पहली सिंचाई बिजाई के 20–22 दिन बाद ि खर जड़ निकलने की अवस्था पर बहुत आव यक है।

I #dfe; k dh jkdFkke

- टुण्डु व ममनी रोगों से बचाव के लिए प्रमाणित बीज का प्रयोग करें या इसे बिजाई से पहले पानी में डालकर ममनी-रहित कर लें।
- रोगग्रस्त क्षेत्र में गेहूँ की मोल्या अवरोधी किस्म राज एम.आर. –1 बोएं।
- मोल्या प्रभावित खेतों में कार्बोफ्यूरान (फ्यूराडान 3 जी) 13 किलोग्राम प्रति एकड़ बिजाई के समय डालें।
- गेहूँ की बिजाई अगेती करें व एजोटोबेक्टर, एच.टी. 54 एजोटीके से प्रति पैकेट 10 किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।